हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

12 उकलाना में नगरपालिका चुनाव के लिए मतदान आज

12 1000 वाहनों की जांच 334 के किए चालान

खबर संक्षेप

976 ग्राम सुल्फा के साथ एक काबू

नारनौंद। विशेष अभियान के तहत थाना बास पुलिस ने एक आरोपी को 976 ग्राम नशीले पदार्थ सुल्फा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भिवानी जिले के गांव जाटू लुहारी निवासी नेपाल के रूप में हुई है। एएसआई अमन ने गश्त एवं अपराध जांच के दौरान सूचना मिली थी कि पुट्ठी रोड नहर पुल के पास एक व्यक्ति नशीला पदार्थ सुल्फा बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस जब पुट्ठी रोड़ नहर पुल के पास पहुंची तो वहां एक व्यक्ति सफेद रंग की पॉलिथीन लिए खड़ा दिखाई दिया।

तीन साल से फरार पीओ पकड़ा गया

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने तीन साल से फरार पीओ को गिरफ्तार किया है। एएसआई मदन ने बताया कि पकड़े गए पीओ की पहचान चरखी दादरी के करी रूपा गांव निवासी जयभगवान के रूप में हुई है। आरोपी पीओ इससे पहले भी अदालत से में पीओ घोषित था।

चेक बाउंस मामले में घोषित आरोपी गिरफ्तार

हांसी। जिला पुलिस द्वारा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अदालत से फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा विशेष अभियान के तहत थाना शहर हांसी पुलिस ने एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हनुमान कालोनी निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है। मुख्य सिपाही विरेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपी मुकेश कुमार के खिलाफ चैक बाउंस का मामला न्यायालय में विचाराधीन था। लेकिन आरोपी अदालत द्वारा निर्धारित तारीखों पर लगातार पेश नहीं हो रहा था तथा जानबूझकर न्यायिक प्रक्रिया से बचने का प्रयास कर रहा था। अदालत द्वारा 9 मई 2025 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। अदालत के आदेशों की पालना करते हुए पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार को काबू कर न्यायालय में पेश किया गया।

हमले के मामले में आरोपी को भेजा जेल

आदमपुर। पुलिस ने दड़ौली गांव में एक परिवार पर जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दड़ौली गांव के ही दीपक के रूप में हुई है। सहायक उप निरीक्षक सुनील ने बताया कि इस संबंध में पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपी और उसके साथियों ने लोहे की पाइप, लाठियों और ईंटों से लैस होकर उ पर हमला किया। यह हमला उस समय हुआ जब पीड़ित अपनी दुकान पर मौजूद थे। हमलावरों ने पीड़ित, उनकी माता पुष्पा और पिता ओमप्रकाश के सिर और हाथों पर गंभीर चोटें मारीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की पाइप भी बरामद कर ली है।

प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने लिया हिरासत में, जेसीबी मशीन के सामने खड़े होकर कूड़ा उठाने से रोका

कचरा उठाने पहुंची जेसीबी की सफाई कर्मियों ने निकाली हवा

हांसी में कचरा उठाने पहुंची प्रशासनिक टीम का सफाई कर्मियों ने किया विरोध

हांसी। कचरा उठाने का विरोध करने पर महिला कर्मचारी को हटाती महिला पुलिस कर्मी।

हांसी। जेसीबी मशीन के आगे धरने पर बैठे सफाई कर्मचारी

कर्मचारी बोले, सफाई व्यवस्था को ठेकेदारी प्रथा के जरिए चलाना गलत है और वे इसका विरोध जारी रखेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शहर में फैले कूड़े कचरे को उठाने तथा सफाई व्यवस्था को सुधारने को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार सुबह शहर से कूड़ा उठाने के लिए पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ कार्रवाई शुरू की, लेकिन सफाई कर्मचारियों ने प्रशासन का विरोध किया।

कचरा उठाने को लेकर सफाई कर्मचारियों और प्रशासन के बीच अनाज मंडी के सामने मुल्तान कॉलोनी चौक के पास जकूड़ा उठाने के लिए जैसे ही प्रशासन ने जेसीबी चलानी शुरू की, सफाई कर्मचारियों को इसकी सूचना मिल गई। इसके बाद काफी संख्या में हड़ताली कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने सरकार व प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। जेसीबी मशीन के सामने खड़े होकर उसे कूड़ा उठाने से रोक दिया। कर्मचारियों का कहना था कि सफाई व्यवस्था को ठेकेदारी प्रथा के जरिए चलाना गलत है और वे इसका विरोध जारी रखेंगे।

बता दें कि जींद रोड स्थित अनाज मंडी के पास कचरे का बड़ा ढेर लगा हुआ था। प्रशासन की ओर से ठेकेदार के ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से ट्रॉली में कचरा डलवाकर उठाने का कार्य शुरू ही किया था कि इसी दौरान बलजीत सिंह प्रधान की अगुवाई में करीब 15-16 सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और सफाई कर रही जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर को रोकने लगे।स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने हस्तक्षेप किया और बलजीत सिंह सहित अन्य सफाई कर्मचारियों को पुलिस वैन में बैठाकर अनाज मंडी पुलिस चौकी ले जाया गया। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर पड़ा कचरा उठाने का कार्य जारी रखा। इस दौरान एडीसी लक्षित सरीन, डीएसपी विनोद शंकर, थाना शहर प्रभारी निरीक्षक सुखजीत सिंह, तहसीलदार अनिल कुमार सहित कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

बाद में सफाई कर्मियों को पुलिस ने छोड़ा

हालांकि मुल्तान कालोनी चौक पर कचरे के ढेर को उठाने के बाद पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सफाई कर्मचारियों को करीब 8:15 बजे छोड़ दिया गया। रिहा होने के बाद कर्मचारी प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तिकोना पार्क की ओर रवाना हो गए। इसके बाद बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी ने अलग-अलग स्थानों पर पहुंच प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया जिसके चलते प्रशासन द्वारा शुरू की गई कार्रवाई धीमी पड़ गई।

तनाव की स्थिति बनी

इससे पहले नगर परिषद कार्यालय के नजदीक भी तनाव की स्थिति बनी। प्रशासन जब वहां कचरा उठाने के लिए जेसीबी मशीन लेकर पहुंचा, तो सफाई कर्मचारियों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करते हुए जेसीबी के टायरों की हवा निकाल दी, ताकि कार्रवाई को रोका जा सके। शहर में कचरे के ढेरों को उठाने के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। तथा महिला सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति के कारण बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात गया था।

जेसीबी की सहायता से कूड़ा-कर्कट उठाने व बल प्रयोग करना निंदनीय

हांसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज राठी ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि हड़ताल पर चल रहे दमकल कर्मचारियों व सफाई कर्मचारियों की मांगे तुरंत मानी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों से बातचीत करके उनकी मांगे मानने की बजाए नकारात्मक रवैया अपना रही है, जो निंदनीय है। उन्होंने हिसार में पुलिस को साथ लेकर जेसीबी की सहायता से कूड़ा कर्कट उठाने व बल प्रयोग किए जाने की निंदा करते हुए कहा कि सरकार संवादहीनता छोड़कर कर्मचारियों की मांगे पूरी करे। मनोज राठी हांसी में धरने पर बैठे दमकल कर्मचारियों व सफाई कर्मचारियों के धरने का समर्थन करते हुए उन्हें संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मचारियों के धरने को 32 व सफाई कर्मचारियों के धरने को 9 दिन हो चुके हैं। हांसी में सफाई नहीं होने के कारण पूरे शहर का बुरा हाल हो चुका है, शहर में चारों तरफ गंदगी फैल चुकी है और शहर में बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते प्रदेश में नरक जैसे हालातः राजेन्द्र सोरखी

हांसी। आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में पिछले 9 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते चरमराई सफाई व्यवस्था के लिए हरियाणा सरकार को जिम्मेवार ठहराते हुए मुख्यमंत्री से सफाई कर्मचारियों से बातचीत करके उनकी सभी जायज मांगों को पूरा करने की मांग की है। आप जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते सभी शहरों में नारकीय हालात बन गए हैं। कोई गली-मोहल्ला या सड़क ऐसी नहीं है, जहां गंदगी के ढेर दुर्गंध ना मार रहे हो, यही हाल रहे तो गर्मी में दुर्गंध के कारण महामारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। सरकार कर्मचारियों के साथ-साथ जनता के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ कर रही है। हड़ताल के कारण प्रदेश भर की सभी नगर पालिकाओं, नगर परिषदों व नगर निगमों में काम ठप्प पड़ा है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी पिछले लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

कूड़ा उठाने को लेकर प्रशासन व हड़ताली कर्मी में तकरार

हिसार। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के नौवें दिन शहर में जमकर वबाल हुआ। शहर की राजगुरू मार्केट में नगर निगम अधिकारियों के निर्देशों पर जब जेसीबी कूड़ा उठाने पहुंची तो वहां हड़ताली सफाई कर्मी पहुंच गए और कूड़ा उठाने का विरोध किया। दोनों तरफ से हुई तकरार के चलते हड़तालियों ने कूड़ा उठाने आई जेसीबी के टायरों की हवा निकाल दी और जमकर नारेबाजी करते हुए निगम प्रशासन के कूड़ा उठाने के प्रयास विफल कर दिए। नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारी पिछले 9 दिनों से हड़ताल पर है। हड़ताल के चलते शहर में जगह-जगह कूड़े, कचरे के ढ़ेर लग गए हैं। भारी मात्रा में पड़ा कचरे की बदबू के चलते नागरिकों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है। लगातार बढ़ रही हड़ताल को देखते हुए निगम प्रशासन ने शनिवार सुबह जेसीबी की सहायता से कचरा उठाने की योजना बनाई। इसके चलते जब निगम की जेसीबी राजगुरू मार्केट में कचरा उठाने लगी तो वहां सफाई कर्मचारी भी पहुंच गए और विरोध किया। हड़ताली कर्मचारियों ने कूड़ा उठाने आई जेसीबी के टायरों की हवा निकाल दी और महिला कर्मचारियों ने ट्राली से कूड़ा बाहर फेंक दिया। हंगामे को देखते हुए प्रशासन ने स्वैट कमांडों तैनात किए हैं, उनकी निगरानी में कूड़ा उठाया जाएगा। बताया जा रहा है कि नगर निगम प्रशासन की टीम ने शहर के तोशाम रोड, आजाद नगर व राजगुरु मार्केट समेत कई क्षेत्रों से कचरा उठाने का प्रयास किया, लेकिन हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने इसका जमकर विरोध किया। निगम की टीम जैसे ही कचरा उठाकर ट्राली लेकर चलने लगी, प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने ट्राली से कचरा उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। प्रशासन ने हंगामा देखते हुए स्वैट कमांडों तैनात कर दिए।

कर्मचारी रात से ही डटे थे मोर्चों पर

नगर निगम प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू ने बताया कि शनिवार को नगर निगम प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर राजगुरु मार्केट, दमकल केंद्र आजाद नगर, मटका चौक टैक्सी स्टैंड से कूड़ा उठाने का प्रयास किया। प्रशासन के प्रयासों की भनक कर्मचारियों को पहले ही लग गई थी, जिसके चलते कर्मचारी रात से ही अपने-अपने मोर्चों पर डटे हुए थे। जैसे ही कर्मचारियों को प्रशासन की कार्रवाई की भनक लगी सभी कर्मचारी वहां पहुंचे व प्रशासन की कोशिश को नाकाम कर दिया।

नौवें दिन भी जारी रही हड़ताल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर कर्मचारियों की मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल शनिवार को नौवें दिन भी जा रही। नगर निगम कार्यालय में चल रही हड़ताल की अध्यक्षता नगर निगम हिसार प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू ने की जबकि संचालन जिला प्रधान सन्नी सारसर ने किया। नौवें दिन की हड़ताल के दिन नगर निगम प्रशासन ने पुलिस बल के साथ कई स्थानों से कूड़ा उठाने का प्रयास किया, जिसे कर्मचारियों ने विफल कर दिया।

हमारी मांगें जायजः संगठन नेता बोले की हम जायज मांगों को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं। जब तक समाधान नहीं होता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि नपा कर्मचारी संघ व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री, अग्निशमन विभाग के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह सहित राज्य के अन्य नेता नगर निगम हिसार कर्मचारियों के बीच पहुंचे।

गुजवि में 'करियर काउंसलिंग 2026' की तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में होने वाले 'एक्सप्लोर यूअर फ्यूचर/गुजविप्रौविः केरियर काउंसलिंग 2026' कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं करियर काउंसलिंग सेल द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि करियर काउंसलिंग विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप बेहतर करियर विकल्प चुनने में सहायता करते हैं। करियर काउंसलिंग सेल की निदेशक डॉ. मोनिका सैनी ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 11 से 15 मई तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक सीआरएस ऑडिटोरियम, सेमिनार हॉल-1 में आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों, अकादमियों तथा शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं करियर संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहे ताकि वे अपने भविष्य एवं उच्च शिक्षा से संबंधित उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

पुलिस ड्यूटी में बाधा डालने पर छह काबू

नारनौंद। गांव राजथल में शुक्रवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मौके पर पुलिस पहुंची तो पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की कर ड्यूटी में बाधा पहुंचाने का काम किया। इस मामले में पुलिस ने छह युवकों को हिरासत में लिया। इस दौरान उपद्रवियों ने एक घुसकर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ भी की। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। गांव राजथल में एक विशेष वर्ग के दो पक्षों में शुक्रवार को किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों की तरफ से पत्थरबाजी हुई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रमेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तो वहां पर मौजूद लोगों ने पुलिस कर्मियों के साथ भी बदतमीजी करते हुए ड्यूटी में बाधा पहुंचाने का काम किया।

- गांव राजथल में दो पक्षों में झगड़ा का मामला

डाटा गांव में बाढ़ प्रबंधन को लेकर बड़ा कदम

- 9.92 करोड़ की आरसीसी पाइपलाइन परियोजना शुरू
- जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग ने नारियल फोड़कर किया शुभारंभ
- चेयरमैन ने सीएम सैनी व पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

नारनौंद। पाइपलाइन परियोजना का शुभारंभ करते हुए जिला परिषद चेयरमैन सोनू डाटा।

नारनौंद क्षेत्र के काफी गांवों के खेतों में बारिश का पानी जमा हो जाता था। इसके कारण किसानों की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो जाती थी और अगली फसल की बिजाई भी नहीं हो पाती थी। इसके चलते किसान काफी परेशान थे। इस समस्या के समाधान के लिए शनिवार को जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग ने नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कैप्टन अभिमन्यु का जताया आभार जताया।

नारनौंद क्षेत्र के गांव डाटा में बाढ़ प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा बड़ा कदम उठाया गया है। सिंचाई विभाग के माध्यम से लगभग 9 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से आरसीसी पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग ने की। उन्होंने कहा कि यह योजना क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगी। बरसात के दिनों में जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याओं के कारण किसानों और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन परियोजना पूरी होने के बाद जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को राहत मिलेगी। चेयरमैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए ताकि आमजन को जल्द इसका लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। बाढ़ प्रबंधन को लेकर शुरू की गई यह परियोजना सरकार की जनहितकारी सोच का उदाहरण है। कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्रवासियों ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि लंबे समय से प्रभावी जल निकासी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी और अब इस परियोजना से क्षेत्र को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

अपने ही प्लॉट में मिट्टी में दबा मिला दस दिन से लापता व्यक्ति का शव

- 10 दिन पहले थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। मौके पर पुलिस कार्रवाई करते हुए।

वार्ड नं.19 में एक व्यक्ति की शनिवार प्रातः संदिग्ध परिस्थितियों में एक प्लॉट में मिट्टी के नीचे दबी लाश मिली है। पुलिस ने सूचना पाते ही मौके पर पहुंचकर मिट्टी के नीचे दबी लाश को बाहर निकलवाया। मृतक के परिजनों को मौके पर बुलाकर मृतक की पहचान करवाई गई तो मृतक की पहचान लगभग 46 वर्षीय कुलवन्त के रुप में हुई। जिस प्लॉट में मृतक की मिट्टी के नीचे दबी लाश मिली है। वह प्लॉट मृतक का ही था और इस प्लाट की नींव भरकर मिट्टी की भरती करवाई जा रही थी। मृतक व्यक्ति 10 दिनों 30 अप्रैल से अपने घर से लापता था। परिजनों द्वारा बरवाला थाने में 1 मई को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई हुई थी। सीन ऑफ क्राइम टीम ने भी मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए जांच पड़ताल आरंभ कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल हिसार में भिजवा दिया गया है। शनिवार प्रातः जब कुलवंत के परिजन अपने प्लॉट में गए तो वहां पर कुछ कुत्ते मिट्टी को खोद रहे थे और बदबू भी आ रही थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई और मौके पर काफी भीड़ भी एकत्रित हो गई। जहां पर कुत्ते मिट्टी को खोद रहे थे तो उस जगह की मिट्टी को कस्सियों से हटवाया गया तो मिट्टी के नीचे दबी लाश मिली। मृतक कुलवंत राजमिस्त्री का काम करता था और मृतक के दो लड़के हैं।

12वीं का परिणाम न आने से हेल्प डेस्क खाली

कॉलेज में दाखिले के लिए तैयारी पूरी, शेड्यूल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

शिक्षा विभाग ने कॉलेज में दाखिले के लिए शेड्यूल तो जारी कर दिया है लेकिन एचबीएसई और सीबीएसई बोर्ड की तरफ से अभी तक 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया गया है। इसके कारण कॉलेज में लगाए गए हेल्प डेस्क सुनसान नजर आ रहे हैं। जैसे ही कॉलेज में दाखिले के लिए शेड्यूल जारी होता था तो कॉलेज में दाखिला लेने वाले छात्रों की लंबी लंबी कतारें लग जाती थी। दाखिले प्रक्रिया के तीन दिन बीतने के बाद भी कॉलेज में अभी तक एक भी छात्र का रजिस्ट्रेशन नहीं पहुंचा है। वहीं छात्रों के लिए नारनौंद के राजकीय कॉलेज में तीन हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। अभी तक एक भी छात्र यहां पर दाखिला लेने के लिए नहीं पहुंचा। शिक्षा विभाग की तरफ से 7 मई से 31 मई तक छात्र दाखिला लेने के लिए फॉर्म भर सकता है। सात मई से एक जून तक फार्म में त्रुटि का सुधार कर सकता है। उसके बाद 11 जून को पहली मेरिट लिस्ट लगाई जाएगी। उसके बाद 12 जून से 15 जून तक छात्र अपनी फीस जमा करवा सकते हैं। दूसरी मेरिट लिस्ट 17 जून को लगाई जाएगी। जिसमें 18 से 22 जून तक छात्र फीस भर सकते हैं। उसके बाद 24 जून से फिजिकल काउंसलिंग की शुरुआत होगी।

नारनौंद। कॉलेज में हेल्प डेस्क पर बैठे हुए कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सतीश व अन्य।

कॉलेज के प्रिंसिपल पंकज गोयत ने बताया कि कॉलेज में दाखिल को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। छात्रों की मदद के लिए तीन अलग अलग हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं। जिनमें डॉ. सतीश कुमार को इंचार्ज बनाया गया है। दाखिले के दौरान किसी भी छात्र को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। कॉलेज में सभी सुविधाएं छात्रों को उपलब्ध करवाई जाएगी। छात्र अपना आवेदन भर सकते हैं। 12वीं कक्षा का परिणाम आने के बाद में सुधार कर सकते हैं।

नारनौंद कॉलेज में दाखिले के लिए ये होंगी सीटें

बीए	320
बी कॉम	80
फिजिकल साइंस	100
लाइफ साइंस	80
एम कॉम	60
पीजीडीसीए	38
बीए एमसी	40
बीए मेजर अंग्रेजी	40
बीए मेजर ज्योग्राफी	40
एमए इतिहास	40
कुल सीट	838

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

■ आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
■ आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
■ आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
■ आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
■ आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
■ गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

■ नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
■ इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
■ साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
■ पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
■ -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

■ बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन■ अन्य आय
■ यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

■ आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुएल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
■ इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
■ अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
■ अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

■ एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
■ 15 जून■ 15 सितंबर■ 15 दिसंबर■ 15 मार्च
■ समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल

फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आइडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

■ सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
■ होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
■ कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
■ पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
■ क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
■ बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

■ क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
■ एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
■ नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
■ अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
■ कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
■ छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
■ क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
■ खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
■ सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना— ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

जीएम व सांझा संघर्ष समिति के साथ वार्ता विफल

हिसार। हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति एवं रोडवेज महाप्रबंधक के बीच लंबित 15 मांगों पर सहमति नहीं बन पाई है। इसके चलते सांझा संघर्ष समिति ने आंदोलन की चेतावनी देते हुए 11 मई को गेट मीटिंग का ऐलान किया है। इससे पहले रोडवेज महाप्रबंधक ने सांझा संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों को जीएम के समक्ष रखा लेकिन प्रशासन की ओर से किसी भी मांग पर सकारात्मक सहमति नहीं बन पाई, जिसके चलते बैठक पूरी तरह विफल रही।

स्मॉल वंडर स्कूल में 'सुपर सोल डे-आंचल' मनाया

हिसार। सेक्टर 15 स्थित स्मॉल वंडर स्कूल द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में 'सुपर सोल डे-आंचल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्देश्य बच्चों और माताओं के अटूट प्रेम व भावनात्मक बंधन को सम्मान देना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुनीता एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रज्ञा रहीं। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इनेलो नेता बागड़ी ने ठेका प्रथा पर उठाए सवाल

हिसार। इनेलो नेता एवं हिसार विधानसभा से प्रत्याशी रहे एडवोकेट प्रमोद बागड़ी ने हरियाणा में सफाई कर्मियों की हड़ताल ने प्रशासनिक और सामाजिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि शहरों, कस्बों और कॉलोनियों में कूड़े के ढेर लगने से आम लोग परेशान हैं। एडवोकेट प्रमोद बागड़ी ने कहा कि हड़ताल का सबसे बड़ा दर्द उन सफाई कर्मियों का है जो वर्षों से कम वेतन, असुरक्षित सेवा और ठेका प्रथा के बोझ तले काम कर रहे हैं।

नव दुर्गा मंदिर में फ्री मेडिकल कैंप लगाया

हिसार। जय श्याम विहार के नव दुर्गा मंदिर परिसर में फ्री मेडिकल चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान नागरिक अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। चिकित्सकों ने आंख, कान, स्किन, अस्थमा, बीपी व शुगर से संबंधित बीमारियों की जांच करके उचित परामर्श दिया।

गोदाम से गेहूं चोरी करने वाले तीन आरोपी काबू

बरवाला। पुलिस ने हैफेड गोदाम से गेहूं चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का गेहूं और वारदात में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी भी बरामद कर ली है। बरवाला थाना प्रभारी कर्मजीत ने बताया कि पुलिस टीम ने उप निरीक्षक रमेश के नेतृत्व में जांच करते हुए चोरी के इस मामले में धिकताना निवासी अमन, अंकित व सुधीर को गिरफ्तार किया है।

पांच दिनों से चल रही विशेष पूजा-अर्चना

श्याम मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की मूर्ति स्थापना आज

समारोह को लेकर श्री श्याम मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

श्री श्याम मंदिर में पिछले पांच दिनों से चल रही विशेष धार्मिक पूजा-अर्चना के बाद रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ जी, बलभद्र जी एवं माता सुभद्रा जी की मूर्ति स्थापना की जाएगी। मंदिर परिसर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भक्तों में भारी उत्साह बना हुआ है। वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ परिवार की मूर्तियों को भव्य दरबार में विराजमान किया जाएगा। पांच पंडित द्वारा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर में विशेष पूजा हो रही है। समारोह को लेकर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की गई हैं। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

भगवान जगन्नाथ जी के लिए भव्य दरबार तैयार: श्री श्याम मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ जी, बलभद्र जी एवं माता सुभद्रा जी के लिए सुंदर और भव्य दरबार तैयार किया गया है। मंदिर परिसर में बनाए गए इस विशेष दरबार को आकर्षक डिजाइन और धार्मिक आस्था के अनुरूप सजाया गया है। दरबार पर बाहर से मंगवाए गए विशेष पत्थरों पर खूबसूरत नक्काशी और डिजाइन का कार्य किया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। श्याम मंदिर के अंदर यह दिव्य दरबार तैयार किया गया है, जहां भगवान जगन्नाथ जी अपने भाई बलभद्र जी और बहन सुभद्रा जी के साथ विराजमान होंगे।

हांसी। मूर्ति स्थापना को लेकर मंदिर में पूजा अर्चना करते समाजसेवी विनय जैन व अजय कंबीरी। फोटो: हरिभूमि

मूर्ति स्थापना समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में है भारी उत्साह

मंदिर ट्रस्ट और श्रद्धालुओं में मूर्ति स्थापना समारोह को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। 10 मई को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। मूर्ति स्थापना समारोह में समाजसेवी विनय जैन एवं गौरव जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री श्याम मित्र मंडल, श्री श्याम भवन ट्रस्ट के प्रधान जगदीश राय मित्तल सहित मंदिर ट्रस्ट के सदस्य सक्रिय रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

नशा मुक्ति अभियान के तहत किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। ग्रामीणों से बातचीत करते नशा मुक्ति टीम के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

पुलिस की नशा मुक्ति टीम की ओर से जिला के गांव अग्रोहा, मीरपुर एवं कालीरावण में नशे के खिलाफ विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम द्वारा ग्राम वासियों, नशा पीड़ितों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा लोगों से नशा तस्करों के संबंध में जानकारी साझा करने की अपील की गई। टीम ने नशा पीड़ितों को उपचार के लिए प्रेरित करते हुए जिले के नागरिक अस्पताल से दवाई लेने एवं नियमित उपचार करवाने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान जिला हिसार क्षेत्र में कुल चार नए नशा पीड़ितों की पहचान कर उनके डोजियर फॉर्म भरे गए तथा उन्हें पहली बार सरकारी अस्पताल हिसार से होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक एवं एलोपैथिक दवाई उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त पांच नशा पीड़ितों को दूसरी बार दवाई दिलवाई गई तथा उनके टेस्ट एवं काउंसलिंग भी करवाई गई। इस प्रकार कुल नौ नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल हिसार से उपचार एवं दवाई उपलब्ध करवाई।

लूटपाट करने की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी काबू

हांसी। पुलिस चौकी सिसाय पुल ने डकैती के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविन्द निवासी पुच्चों कलां जिला भटिंडा (पंजाब) के रूप में हुई है। एएसआई शिव प्रकाश ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र निवासी अनिल कुमार शिकायत दी थी कि वह अपने मोटरसाइकिल पर जा सवार होकर घर जा रहा था और जब वह अमन होटल बाइपास सैनीपुरा के पास पहुंचा तो तीन मोटरसाइकिलों पर सवार 8-9 युवक उसका पीछा करने लगे। जब वह सिसाय पुल फ्लाईओवर पर पहुंचा तो आरोपियों ने चलते मोटरसाइकिल पर उसकी गर्दन पर पिस्तोल लगा दी और बाइक रोकने के लिए धमकाया।

डिजिटल डेंटिस्ट्री से बदल रही डेंटल केयर: डॉ. मित्तल

हिसार। डॉ. सचिन मित्तल एडवांस्ड डेंटिस्ट्री का कहना है कि आज की आधुनिक दुनिया में हर क्षेत्र में तकनीक की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और डेंटल केयर भी इससे अछूता नहीं है। डिजिटल डेंटिस्ट्री ने दांतों के इलाज को न सिर्फ आसान बनाया है बल्कि उपचार को अधिक सटीक, सुरक्षित और आरामदायक भी बनाया है। डॉ. सचिन ने कहा कि डेंटल एक्स-रे, थ्री डी स्कैनिंग, लेजर ट्रीटमेंट, डिजिटल स्माइल डिजाइनिंग और एआई बेस्ड डायग्नोसिस जैसी तकनीकों ने दंत चिकित्सा के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। मरीजों को अब कम दर्द, कम समय और बेहतर परिणाम मिलते हैं। डॉ. मित्तल का कहना है कि डिजिटल टूल्स के उपयोग से दांतों की समस्याओं का पता पहले से कहीं अधिक सटीकता से लगाया जा सकता है। डॉ. मित्तल का कहना है कि पहले दांतों की नाप लेने के लिए मुंह में भारी और असुविधाजनक सामग्री रखनी पडती थी।

तिरुपति धाम में निकली शोभा यात्रा

- भगवान वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा में उमड़े श्रद्धालु
- भगवान वेंकटेश, माता लक्ष्मी व भूदेवी की सवारी शोभा यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय संस्कृति को एकसूत्र में बांधने में विशिष्ट भूमिका निभाने वाले तिरुपति बालाजी धाम में भगवान वेंकटेश, माता लक्ष्मी व भूदेवी की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश के साथ माता लक्ष्मी व भूदेवी को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। सवारी व शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय श्रीमन्ननारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष करते रहे। विशेष बात यह रही कि भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर अपनी आस्था जताई। शोभा यात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। सवारी शोभा यात्रा में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने तिरुपति धाम में वेंकटेश भगवान, पद्मावती माता, गोदांबा माता, गरुड़, लक्ष्मी नृसिंह, सुदर्शन, रामानुज स्वामी, शठकोप स्वामी, वरवर मुनि एवं हनुमान के मंदिरों के भी दर्शन किए। अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम में 42 फुट ऊंचा सोने का गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम् व तिरुपति यज्ञशाला भी विशेष दर्शनीय हैं। धाम की श्रीनिवास गोशाला एवं पवित्र पुष्करणी भी श्रद्धा के विशेष केंद्र बने हुए हैं। यहां पर दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित 71 फुट ऊंचा गोपुरम भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

हिसार। तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश के अभिषेक व सवारी शोभा यात्रा का दृश्य। फोटो: हरिभूमि

आपदा में बचाव कार्यों की ली जानकारी

- एनडीआरएफ ने दिया आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण
- सीटीएम सुभाष चंद्र सहित डीसी कार्यालय के कर्मियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिला हिसार में आपदा प्रबंधन को लेकर जागरूकता एवं तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से 7वीं वाहिनी एनडीआरएफ, भटिंडा द्वारा आयोजित फेमैक्स एक्सरसाइज के तहत शनिवार को ब्लू बर्ड परिसर में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीटीएम सुभाष चंद्र, आपदा प्रबंधन से विजेंद्र साहू सहित उपायुक्त कार्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं एनडीआरएफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन, बचाव कार्यों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित करना है। एनडीआरएफ की विशेषज्ञ टीम ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं, प्राथमिक उपचार, राहत एवं बचाव तकनीकों तथा समन्वय स्थापित करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ अधिकारियों ने आपदा के समय उपयोग में आने वाले आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन भी किया तथा कर्मचारियों को उनके संचालन की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की।

हिसार। एनडीआरएफ द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर। फोटो: हरिभूमि

प्रशिक्षण जरूरी

सीटीएम सुभाष चंद्र ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी संकट की स्थिति में प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। उन्होंने एनडीआरएफ टीम द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आपदा से निपटने की क्षमता को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होंगे।

आनन-फानन में शुरू करवाया निर्माण कार्य

- लोगों ने लापरवाही के लगाए आरोप, अधूरी सड़क और जलभराव से बिगड़े हालात
- हादसे के बाद धरने पर बैठे निवासी, मौके पर पहुंची पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭उकलाना

कुंदनपुरा रोड की तरफ जाने वाले गांव की फिरनी मार्ग पर अधूरी सड़क और गंदे नाले के ओवरफ्लो पानी के कारण हालात बदहाल हो गए हैं। सड़क पर कीचड़ और पानी जमा होने से दलदल जैसी स्थिति बन गई जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सड़क को दुरुस्त करने का कार्य शुरू किया गया था लेकिन दौरे के बाद काम बीच में ही रोक दिया गया। अधूरी सड़क और जलभराव के कारण रास्ता खस्ता हाल हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर जमा पानी और दलदल के कारण हादसा हो गया, जिसके बाद गुस्साए निवासी धरने पर बैठ गए। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए तुरंत सड़क निर्माण और पानी निकासी की मांग की। धरने की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों से करीब दो घंटे का समय मांगा। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और निर्माण कार्य शुरू करवाया गया।

उकलाना। निर्माण कार्य शुरू करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हादसे के बाद जागा प्रशासन

नगर पालिका सचिव, नगर पालिका अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता भी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में रास्ते को सुचारू करवाने और पानी निकासी की व्यवस्था बनाने का कार्य शुरू किया गया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका जोहड़ के पानी की निकासी के लिए पंप सेट तो चलाती है, लेकिन कुछ समय बाद उसे बंद कर दिया जाता है। लोगों का कहना है कि यदि नियमित रूप से पानी की निकासी की जाए तो इस प्रकार के हालात पैदा नहीं होंगे और सड़क पर जलभराव व दलदल जैसी स्थिति से बचा जा सकता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर दिखाई डॉक्यूमेंट्री

- 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर राजकीय कॉलेज में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के राजगढ़ रोड स्थित गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ के अवसर पर एनसीसी कैडेट्स की ओर से प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र सेवदा मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन स्नेहलता, लेफ्टिनेंट एनएस तोमर तथा फ्लाइंग ऑफिसर गोविल जिंदल सहित थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन हिसार, थर्ड हरियाणा बटालियन हिसार एवं प्रथम एयर स्क्वाड्रन हिसार के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी दिखाई गई। इस कार्यक्रम में कुछ कैडेट्स ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के महत्व एवं देश की सुरक्षा में सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्राचार्य, डॉ. राजेन्द्र सेवदा ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति एवं सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स को देशहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कैडेट्स ने देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

हिसार। 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्यक्रम के पश्चात स्टाफ के साथ उपस्थित विद्यार्थी।

योग एवं स्वास्थ्य शिविर 11 से

- सेक्टर 15 के सिटीजन पार्क में पांच दिवसीय लगाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के तत्वावधान में नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं सकारात्मक जीवनशैली को समर्पित पांच दिवसीय योग एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 11 से 15 तक किया जाएगा। यह शिविर सेक्टर 15 में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भजनलाल के आवास के सामने स्थित सिटिजन पार्क में सुबह 5.30 बजे से 7 बजे तक होगा। भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के प्रवक्ता सुरेन्द्र हिन्दुस्तानी ने बताया कि यह शिविर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार की आजीवन सदस्य कमलेश सिहाग के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा।

हिसार। पार्क में नियमित योग करते नागरिक। फोटो: हरिभूमि

योग जागरूकता अभियान सराहनीय प्रयास

शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वास्थ्य, योग, प्राणायाम एवं भारतीय जीवन मूल्यों का संदेश पहुंचाना है, ताकि समाज स्वस्थ, जागरूक एवं तनावमुक्त बन सके। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सिटीजन पार्क प्रधान संजय खरींटा व कमलेश सिहाग के सहयोग एवं योग शिक्षक राजवीर सिंह बल्हारा एवं समस्त योग कक्षा द्वारा योग जागरूकता अभियान को गति प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। इस योग कक्षा के संचालक मास्टर राजवीर सिंह बल्हारा हैं।

पर्व | राज्यसभा सांसद बराला होंगे मुख्य अतिथि, विधायक भयाना करेंगे अध्यक्षता

बजरंग आश्रम शिव मंदिर में मनाया जाएगा जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन 11 मई को प्रातः 10 बजे शहर स्थित बजरंग आश्रम शिव मंदिर में श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक विनोद भयाना करेंगे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के सफल आयोजन को लेकर शनिवार को लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में एडीसी लक्षित सरीन ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के जिला नोडल अधिकारी एवं एसडीएम राजेश खोथ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एडीसी लक्षित सरीन ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

हांसी। जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर अधिकारियों की मीटिंग को संबोधित करते एडीसी लक्षित सरीन। फोटो: हरिभूमि

कलश यात्रा तैयारियां तेज़

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पानी के टैंकर और पेयजल पॉइंट स्थापित करने तथा शौचालयों की साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। एडीसी ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। यह कलश यात्रा पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह से बजरंग आश्रम शिव मंदिर तक निकाली जाएगी। यात्रा में सैकड़ों महिलाएं शामिल होंगी। बैठक के उपरांत एडीसी लक्षित सरीन ने एसडीएम राजेश खोथ, एसडीएम विकास यादव तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

वीएलडीए ने लिया टीकाकरण को रोकने का फैसला

हिसार। जिला हिसार के सभी वीएलडीए की अहम बैठक शनिवार को जाट धर्मशाला में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ वीलडीए कुलदीप मलिक द्वारा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया कि जब तक पशुपालन विभाग हरियाणा द्वारा, भारत सरकार द्वारा गलघोटू व मुंहखुर टीकाकरण के लिए जारी की गई गाइडलाइन पूरी नहीं की जाती व पशुपालकों से आधार कार्ड व ओटीपी मांगने की अनिवार्यता खत्म नहीं की जाती, तब तक जिला हिसार के सभी वीएलडीए टीकाकरण शुरू नहीं करेंगे।

पक्षियों के संरक्षण के लिए किया सेवा कार्य

आदमपुर। भारत विकास परिषद द्वारा पक्षियों के संरक्षण एवं जीवन रक्षा के उद्देश्य से सकोरा सेवा अभियान सतत रूप से चलाया जा रहा है। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि इसी सेवा श्रृंखला के अंतर्गत परिषद परिवार द्वारा शांति पार्क कमेटी को पक्षियों के लिए दाना-पानी एवं स्वच्छता व्यवस्था के लिए 2 क्विंटल बाजरा/अनाज तथा 4 प्लास्टिक ड्रम समर्पित किए गए।

मदर्स डे पर हुए अनेक कार्यक्रम

हिसार। नागोरी गेट स्थित एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मदर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मां के पावन प्रेम व मां की महत्ता को नृत्य व नाटिका द्वारा बखूबी दर्शाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित माताओं के लिए मजेदार गेम्स पेपर डांस, फन गेम, कैटवॉक, म्यूजिकल चेयर व रिवर्स रोल जैसी अनेक गेम्स का आयोजन किया गया जिसका सभी मदर्स ने आनंद लिया। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

मदर्स डे पर छात्रों ने प्रस्तुति से मन मोहा

नारनौंद। होली फील्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौंद में मदर्स डे का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास, भावनात्मकता के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सरी, एलकेजी तथा पहली-दूसरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने छात्रों द्वारा मेरी मां विषय पर सुंदर एवं भावनात्मक कविताओं की प्रस्तुति से हुई। छात्रों की मासूम आवाज और सच्ची भावनाओं ने सभी का मन मोह लिया। तीसरी से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग एवं कार्ड मेकिंग गतिविधियों में भाग लेते हुए रंग-बिरंगे और आकर्षक माध्यम से अपनी माताओं के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त किया।

15,507 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

उकलाना में नगरपालिका चुनाव के लिए मतदान आज

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭| उकलाना

नगर पालिका चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा। मतदान को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। कस्बे में 6 मतदान केंद्रों पर बनाए गए 16 बूथों के माध्यम से मतदान कराया जाएगा। सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल 15,507 मतदाता प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे, जिनमें 8,218 पुरुष और 7,289 महिला मतदाता शामिल हैं।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए करीब 200 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। विभिन्न स्थानों पर पुलिस नाके स्थापित किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में सब इंस्पेक्टर, सहायक सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल तथा होमगार्ड जवान तैनात रहेंगे। प्रशासन द्वारा 5 ड्यूटी मजिस्ट्रेट और 2 सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। रेलवे क्रॉसिंग के दूसरी ओर एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा नौ वार्डों के लिए अलग से एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंच चुकी हैं और मतदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं पुलिस पार्टियों ने भी विभिन्न स्थानों पर नाके संभाल लिए हैं।

उकलाना। बूथ के लिए रवाना होती पोलिंग पार्टी। फोटो : हरिभूमि

पोलिंग पार्टियों को किया रवाना

अध्यक्ष पद के लिए कांटे का मुकाबला

नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए इस बार चार प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल, निर्दलीय प्रत्याशी रीमा सोनी, सोनिया बत्रा तथा मीनू रानी चुनाव मैदान में मुख्य मुकाबला निकिता व रीमा में है। चुनावी माहौल में मुकाबला कांटे का माना जा रहा है।

वार्ड 1 व 2 में आमने-सामने की टक्कर

वार्डों की स्थिति पर नजर डालें तो वार्ड 1 सामान्य पुरुष वर्ग का है जहां दो प्रत्याशी मैदान में हैं। वार्ड 2 पिछड़ा वर्ग महिला आरक्षित है जिसमें दो महिला प्रत्याशी भाग्य आजमा रही हैं। वार्ड 3 सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित है, जहां तीन महिलाएं चुनाव लड़ रही हैं। वार्ड 4 में भी तीन महिला प्रत्याशी मैदान में हैं। वार्ड 5 सामान्य वर्ग का है जिसमें तीन पुरुष प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वार्ड 6 में भी तीन पुरुष प्रत्याशी मैदान में हैं।

वार्ड 7 से अमेराम निर्विरोध बने पार्षद

वार्ड 7 से अमेराम मंगला निर्विरोध पार्षद चुने जा चुके हैं। वार्ड 8 पुरुष वर्ग का वार्ड है, लेकिन यहां दो पुरुष और एक महिला प्रत्याशी मैदान में हैं। वार्ड 9 में तीन प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, हालांकि मुकाबला मुख्य रूप से दो प्रत्याशियों के बीच माना जा रहा है। वार्ड 10 पुरुष आरक्षित वर्ग का है जहां तीन प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

डीसी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

हिसार। उकलाना नगरपालिका चुनाव तथा मंडी आदमपुर, जवाहर नगर (खंड आदमपुर) आदि क्षेत्रों में आयोजित होने वाले पंचायत चुनावों के मद्देनजर उपायुक्त महेंद्र पाल ने शनिवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि रविवार को होने वाला मतदान पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान सामग्री की उपलब्धता तथा कर्मचारियों की तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है और प्रत्येक पात्र मतदाता को इसका प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उपायुक्त ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर बरवाला के एसडीएम अश्वीर सैन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पंचायती चुनाव के पुलिस ने किए कड़े सुरक्षा प्रबंध

आदमपुर। आदमपुर में पंचायत चुनाव के लिए पुलिस व प्रशासन ने अपनी सभी तैयारियों पूरी कर ली है। दस मई के मतदान को पूरी तरह से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आदमपुर के साथ लगते राजस्थान राज्य की सीमा पर स्थापित किए जाने वाले नाको पर संदिग्ध मार्गों पर भी नाकाबंदी कर आने जाने वाले व्यक्तियों व वाहनों की बारीकी से जांच की जा रही है। बता दें कि आदमपुर में 10 मई को सरपंच एवं पंच पदों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इसके लिए 29 बूथ बनाए गए हैं तथा पांच-पांच जगह नाके के लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि यदि कोई मतदाता को तंग कर रहा है या धनबल बाहुबल का प्रयोग कर रहा है या मतदाताओं को गैरकानूनी ढंग से प्रभावित करने की कोशिश करें तो 112 या संबंधित है पुलिस को तुरंत सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

हिसार। शिविर में रक्तदाता से मिलते अतिथिगण।

ओएसजीयू में रक्तदान शिविर का आयोजन, 120 यूनिट रक्त एकत्रित

हिसार। सर्वेश हॉस्पिटल के सौजन्य से ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एकत्रित हुआ रक्त सर्वेश ब्लड बैंक में दिया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल व प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने शिविर के लिए सर्वेश हॉस्पिटल के पूरे अधिकारियों कों संबोधित किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन पी कौशिक एवं ग्रुप सीओओ डॉ अजय पोद्दार उपस्थित रहे। उन्होंने सभी सभी रक्त दानी विद्यार्थी एवं शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान सब दानों में से उत्तम है, हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम में हर व्यक्ति को बड़ चढ़ के भाग लेना चाहिए। सर्वेश हॉस्पिटल से एडमिन ऑफिसर डॉ. हरीश भारद्वाज ने भी शिरकत की और रक्तदाताओं का प्रोत्साहन किया। इसी के साथ सर्वेश हॉस्पिटल से डॉ राहुल, डॉ अनुराग कौर और सर्वेश ब्लड बैंक से डॉ प्रिंस ने अपनी अहम भूमिका अदा की। डीन स्टूडेंट्स एंड वेलफेयर डॉ राकेश धीमान ने बताया कि ब्लड बैंक की टीम ने लगभग 120 यूनिट रक्त एकत्रित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हेल्थ साइंस की डीन डॉ सुनैना, डॉ मोनिका, डॉ नेहा, विकास चौधरी और उनकी टीम ने अपना अहम योगदान दिया।

■ रक्तदान सब दानों में से उत्तम : डॉ. कौशिक

परीक्षा के दौरान छात्रों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय में चल रही परीक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निष्पक्ष व पारदर्शी परीक्षाओं के संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में परीक्षा केंद्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों से बातचीत की। कुलपति प्रो. नरसी राम ने कहा कि परीक्षाओं के संचालन में उच्च स्तरीय मापदंड अपनाया जाना अत्यंत आवश्यक हैं। परीक्षाएं विद्यार्थियों की शैक्षणिक मेहनत व कौशल का आईना होती हैं। इन्हीं के आधार पर विद्यार्थियों का भविष्य टिका है। ऐसे में यह आवश्यक है कि परीक्षा संचालन पूरी तरह से नियमानुसार होना चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

मां निस्वार्थ प्रेम, त्याग, ममता एवं प्रेरणा की सबसे सुंदर पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭| हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में मातृ प्रेम, सम्मान एवं कृतज्ञता को समर्पित "मदर्स डे सप्ताह" का अत्यंत हर्षोल्लास एवं भावनात्मक वातावरण में आयोजन किया गया। सप्ताह भर चले इस विशेष उत्सव के दौरान विद्यालय परिसर प्रेम, स्नेह एवं पारिवारिक मूल्यों की मधुर अनुभूतियों से सराबोर रहा। विभिन्न सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी माँ के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

सप्ताह के समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक, समूह नृत्य, संगीत, भाषण एवं कविता पाठ ने सभी का मन मोह लिया। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी मासूम एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से मांओं के प्रति अपने असीम प्रेम एवं स्नेह को अभिव्यक्त किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित माँओं को भाव-विभोर कर दिया तथा वातावरण भावनाओं से ओत-प्रोत हो उठा। मदर्स डे सप्ताह के अंतर्गत तीसरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न आयु वर्गानुसार रचनात्मक एवं प्रेरणादायक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मां केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि निस्वार्थ प्रेम, त्याग, ममता एवं प्रेरणा की सबसे सुंदर पहचान है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी मां का सदैव सम्मान करने, उनका आदर करने तथा जीवन के प्रत्येक चरण में उनका साथ देने का संदेश दिया।

मातृ दिवस पर दिखाई सृजनात्मकता की झलक

हिसार। न्यू मॉडल टाउन एक्सटेंशन स्थित ऋषिकुल विद्या मंदिर में मातृ दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक के विद्यार्थियों के लिए थम्बप्रिंट क्राफ्ट गतिविधि आयोजित की गई।

स्कूल में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

हांसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार सनातन धर्म मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शनिवार को सीबीपी (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) के अंतर्गत थ्योरी ऑफ नॉलेज विषय पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षिका श्वेता एवं निहारिका ने विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं तथा व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण शिविर में लगभग 70 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विभाग अध्यक्षा डॉ. रश्मि जैन की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को ज्ञान, सोच एवं सीखने की प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न आयामों से अवगत कराना था, ताकि वे विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता, जिज्ञासा एवं रचनात्मक सोच का विकास कर सकें। प्रधानाचार्या ऋतु सिंह ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की कार्यक्षमता को सशक्त बनाने के साथ-साथ छात्रों में आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कन्या विद्या निकेतन स्कूल के छात्रों ने मातृ दिवस मनाया

नारनौंद। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौंद

परम मित्र कन्या विद्या निकेतन विद्यालय खांडा खेड़ी में मातृ दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खांडा खेड़ी की सरपंच सुमिता तथा विशेष अतिथि के रूप में इंडस ग्रुप के को-ऑर्डिनेटर प्रवीन परूथी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों की पहली गुरु मां ही होती है जोकि उन्हें संस्कार देने का काम करती है। मां के आंचल में ही बच्चे बड़े होते हैं। इसलिए हमें अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य अमित गौड़ एवं प्रशासक मनदीप द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सुंदर स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने आकर्षक समूह नृत्य, मनमोहक एकल नृत्य तथा माताओं द्वारा समूह नृत्य ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण माताओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य रहा, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह और खुशी से भर दिया। माताओं के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

बाढ़ समस्या को लेकर किसानों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

भारतीय किसान मजदूर यूनियन हरियाणा की मीटिंग शनिवार को जाट धर्मशाला में हुई जिसकी अध्यक्षता सत्यवान कनोह ने की। हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कोथ ने कहा व यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता जोगेंद्र मय्यड़ ने बताया कि पिछले साल लगभग 40-50 गांव में बाढ़ के कारण सारी फैसले जलमग्न हो गई थी और अगली फसल की भी बिजाई बड़ी मुश्किल से अंतिम समय में होई पाई थी। पिछले दिनों किसानों ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र की समस्या के समाधान के लिए प्रदर्शन भी किया था व आवाज भी उठाई थी। इसे लेकर सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के साथ चंडीगढ़ में एक मीटिंग भी हुई थी। अब बाढ़ ग्रस्त गांव के लिए हरियाणा सरकार के पास 2000 करोड़ रुपये की राशि भी मंजूर हो गई है लेकिन अगले सीजन से पहले सरकार आनाकानी कर रही है टालमटोल कर रही है ढील कर रही है। सरकार के ऐसे रवैया को देखकर किसान नाराज हैं। उन्होंने बताया कि इसे देखते हुए हिसार के अंदर 22 मई को एक छोटी पैदल यात्रा 10 किलोमीटर की निकाल करके विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और ऐसे ही हांसी में 26 मई को एक छोटी पैदल यात्रा 10 किलोमीटर की निकाल के वहां भी डीसी ऑफिस के कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही

पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान

1000 वाहनों की जांच 334 के किए चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

जिला में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दिन-रात्रि के समय विशेष गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पैदल गश्त के साथ-साथ पीसीआर, राइडर एवं ईआरवी टीमों द्वारा शहर तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इसी क्रम में पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 1000 वाहनों की से जांच की गई। जांच के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 334 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनमें 20 चालान बिना नंबर प्लेट, 08 ट्रिपल राइडिंग, 55 लाइन चेंज के चालान शामिल है।

हिसार। बुलेट की जांच करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

वाहनों पर पैनी नजर

इस विशेष गश्त एवं चेकिंग अभियान के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस का उद्देश्य है कि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल बनाए रखा जाए। दिन रात्रि के समय गश्त बढ़ाए जाने से चोरी, लूट व अन्य अपराधों की संभावनाओं में कमी लाने में मदद मिल रही है।

नियमों का पालन करना अनिवार्य

पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें, हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें और कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

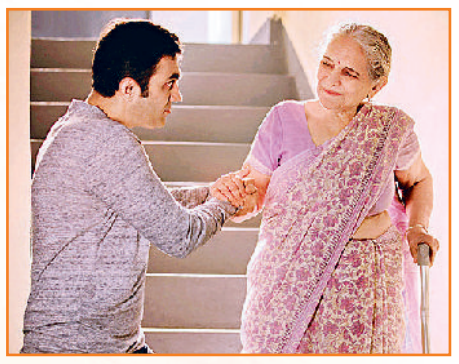

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।' एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उसने प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां ,यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

लघुकथाएं

एआई इमेज

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

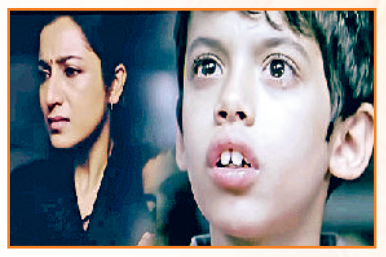

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*